PART - I

Paper Code

P-1

103015

3

DATE PLEASE READ CAREFULLY

परीक्षार्थी कृपया ध्यान से पढ़ें

Answer Script (including Paper for rough work) i.e. Name, Address, Roll

en even in the letter writi

ords, number other than

examination of the Candi

or which the candidate w

कहीं पर भी पहचान चिह्न य

XYZ, ABC, अ ब स आदि

ंक, आदि भी न लिखें। ऐसा

ी जाकर भविष्य में आयोजित

NT INSTRUCTIONS

Answer Booklet is provide

ो प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद

or not printed properly o

lator and change the Ques

या अमुद्रित है या पृष्ठ कम है

र्थी का होगा।

y on Cover Sheet of Ques

deduct 5 marks from the n

कवर पृष्ठ पर सभी वांछित f

आयोग द्वारा प्राप्तांकों में से

in which some informati

over Sheet is not torn or d

य सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं, शेष

क्षतिग्रस्त नहीं हो।

rent units and parts. The r

जित है। प्रत्येक यूनिट एवं भ

e either of printing or fac

reated as standard.

द्रण या तथ्यात्मक प्रकार की

glish, not in both. For La

ndi or English specifical

ा में दीजिये, दोनों में नहीं।

अलग से हिंदी या अंग्रेजी

rs only in the prescribed

the border line will not

किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश

ाहर लिखे गये उत्तर को ज

swers beyond the prescri

अधिक नहीं लिखना चाहिए

stion out of many and t

ा विकल्प दिया गया है औ

Q. No.	Total Marks	Obtained Marks
Unit-1-A	10	2.25
Unit-1-B	25	11
Unit-1-C	40	12
Unit-2-A	10	5.25
Unit-2-B	25	7.5
Unit-2-C	30	9
Unit-3-A	20	9.25
Unit-3-B	20	9.5
Unit-3-C	20	7.5
Total Obt. Marks in Figures	200	73.25
Total Obt. Marks in Words		Seventy Three+ ¼

प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार

रा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

andidate or any attempt is made to damage the answer script or any marking as

n shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

Do
Nu
an
act
the
प्रश
लि
अन
मा
जा

(A

(I

वि
अ
क
S
If
id

CANDIDATE PLEASE READ CAREFULLY
परीक्षार्थी कृपया ध्यान से पढ़ें

Do not write any mark of identity inside the Answer Script (including Paper for rough work) i.e. Name, Address, Roll Number, Mobile Number etc. Not to be written even in the letter writing (XYZ, ABC etc. may be written) Name of God, any religious sign, any irrelevant sentence, words, number other than the answer of question must not be written. Such act will be treated as unfair means and entire examination of the Candidate shall be cancelled and he may be debarred by the RPSC from all the future examinations, for which the candidate will be liable.

प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी पहचान चिह्न यथा अपना नाम, पता, रोल नंबर, मोबाइल नंबर इत्यादि नहीं लिखें। यहां तक कि पत्रादि लेखन में भी नहीं लिखें (XYZ, ABC, अ ब स आदि लिखा जा सकता है)। कोई धार्मिक चिह्न, देवताओं के नाम, अनर्गल बातें, प्रश्नोत्तर से असंबंधित वाक्य, शब्द एवं अंक, आदि भी न लिखें। ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा तथा अभ्यर्थी की संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जाकर भविष्य में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं से विवर्जित करने की कार्यवाही की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

IMPORTANT INSTRUCTIONS (महत्त्वपूर्ण निर्देश)

(A) It should be ensured that the Question-Answer Booklet is provided in a sealed envelope to the candidate.
अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में प्रदान की गई है।

(B) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly or some pages are missing (Please count the number of pages) then bring it to notice of Invigilator and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी–फटी या अमुद्रित है या पृष्ठ कम हैं (कृपया पृष्ठ गिन लें) तो अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा लें, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा।

(C) Please fill up all desired details properly on Cover Sheet of Question-Answer Booklet with **Blue Ball Point Pen** before answering. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained if Roll Number is not filled correctly on the Cover Sheet.
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व कवर पृष्ठ पर सभी वांछित विवरण **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से सावधानीपूर्वक भरें। कवर पृष्ठ पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा प्राप्तांकों में से 5 अंक काटे भी जा सकते हैं।

(D) This Cover Sheet consists of two parts, in which some information is pre-printed, remaining details have to be filled by the candidate. Please ensure that this Cover Sheet is not torn or damaged.
कवर पृष्ठ दो भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं, शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है। ध्यान रखें कि कवर पृष्ठ कहीं से कटे–फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो।

(E) The question paper is divided into different units and parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and parts.
प्रश्न–पत्र विभिन्न यूनिट एवं भागों में विभाजित है। प्रत्येक यूनिट एवं भाग में हल किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित किये गए हैं।

(F) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English version of the question, the **English version will be treated as standard.**
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी या अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।

(G) Attempt answers either in **Hindi or English,** not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं। भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो।

(H) Candidates are directed to write answers only in the prescribed space of booklet. They should not write answer outside the border line. Answer written outside the border line will not be checked.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें। बॉर्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें। बॉर्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को जाँचा नहीं जायेगा।

(I) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words, failing this, marks may be deducted.
अभ्यर्थियों को उत्तर निर्धारित शब्द सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए, इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जा सकते हैं।

(J) If there is a choice to attempt one question out of many and the candidate attempts more than one question then only first answer will be assessed.
यदि कई प्रश्नों में से कोई एक हल करने का विकल्प दिया गया है और परीक्षार्थी द्वारा एक से अधिक प्रश्न हल किये जाते हैं तो ऐसी स्थिति में प्रथम उत्तर ही जांचा जायेगा।

विशेष नोट:
अभ्यर्थी द्वारा यदि कोई गलत सूचना दी जाती है या प्रश्नोत्तर पुस्तिका को किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा उसकी संपूर्ण परीक्षा निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा।

Special Note:
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage the answer script or any marking as identification is done, then his entire examination shall be cancelled by the Commission, for which candidate will be liable.

SPACE FOR ROUGH WORK

PAPER – I

GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

(Total 200 Marks)
(Total 48 Question)

Unit – I (75 Marks)
(यूनिट – I) (75 अंक)

Part – A Marks : 10
भाग – अ अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. Name any four out of six orthodox schools of Indian Vedic Philosophy.
भारतीय वैदिक दर्शन की परम्परागत (रूढ़िवादी) छः शाखाओं में से किन्हीं चार का नामोल्लेख कीजिए।

~~(1) सांख्य दर्शन~~ (1) अद्वैत वेदांत
~~(2) न्याय दर्शन~~ (2) विशिष्टाद्वैतवाद
~~(3) वैशेषिक दर्शन~~ (3) शुद्धाद्वैतवाद
~~(4) मीमांसा दर्शन~~ (4) द्वैता द्वैतवाद

✗ 0 (Zero)
(Q.Unit-1-A-1)

2. What is Ravanhatha?
रावण हत्था क्या है?

- रावणहत्था राजस्थान का प्रसिद्ध तत् वाद्ययंत्र है।
- इसका उपयोग पश्चिमी राजस्थान में भील जाति एवं [illegible] की पाबूजी की फड़ के वाचन में ~~भोपा~~ भोपों द्वारा किया जाता है।

1(One)
(Q.Unit-1-A-2)

3. Describe the Suharwardi Sufi Silsilah.
सुहरावर्दी – सूफी सिलसिला का वर्णन कीजिए।

भारत में आने वाला सुहरावर्दी सूफी सिलसिला, चिश्ती सिलसिला के बाद दूसरा सिलसिला है - इस सिलसिले के सूफी संत स्वयं को पैगम्बर का अवतार मानते थे तथा शासकों से रियायतें प्राप्त कर विलासितापूर्ण जीवन जीते थे।

0.25(Zero¼)
(Q.Unit-1-A-3)

4. Highlight the role of Aruna Asaf Ali in the Quit India Movement.
भारत छोड़ो आन्दोलन में अरुणा आसफ़ अली की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

अरुणा आसफ अली ने भारत छोड़ो आन्दोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने भूमिगत रहकर गतिविधियाँ संचालित की एवं एक गुप्त रेडियो स्टेशन के माध्यम से आन्दोलनकारियों का मार्गदर्शन किया।

1(One)
(Q.Unit-1-A-4)

5. Where did Leonardo de Vinci paint his famous painting 'The Last Supper'?
लियोनार्डो द विंची ने अपना प्रसिद्ध चित्र 'द लास्ट सपर' कहाँ पर चित्रित किया था?

लियोनार्डो द विंची ने अपना प्रसिद्ध चित्र 'द लास्ट सपर' इटली में चित्रित किया।

0 (Zero)
(Q.Unit-1-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Examine the salient features of Raj Singh style of temple architecture.
मन्दिर वास्तुकला में राजसिंह शैली की विशेषताओं का परीक्षण कीजिए।

मन्दिर स्थापत्य की राजसिंह शैली, दक्षिण भारत की द्राविड़ शैली की उपशैली है, जिसका विकास पल्लव राजाओं के काल में हुआ।
विशेषताएँ - (1) इसमें पत्थरों को काटकर मन्दिरों का निर्माण किया गया।
(2) मन्दिर निर्माण में ईंटों के स्थान पर पत्थरों का उपयोग होने लगा।
(3) इन मन्दिरों में शिखर, गर्भगृह, प्रवेश ~~द्वार अलंकृत~~ द्वार अलंकृत थे।
(4) गर्भगृह एवं मण्डप को जोड़ने वाला बरामदा अंतराल कहलाता था।

1.5(One½)
(Q.Unit-1-B-6)

7. Throw light on the activities of Kanwar Singh in Bihar during the Revolt of 1857.
1857 के विद्रोह के समय बिहार में कंवरसिंह की गतिविधियों पर प्रकाश डालिए।

1857 का विद्रोह भारत के आधुनिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना है। इस ~~आन्दोलन~~ विद्रोह में बिहार के जागीर कुंवरसिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इन्होंने भारतीय सैनिकों एवं अपने सैनिकों का नेतृत्व किया और कई जगह अंग्रेजों के साथ हुये युद्धों में अंग्रेज सेनापतियों को मात दी। कुंवरसिंह ने सैनिकों को सभी सुविधाएँ प्रदान की जैसे - अन्न, राशन, आवास, भोजन आदि

उन्होंने बिहार एवं देश के राजाओं ने भारतीय नैतिकों को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने बिहार में नैतिकों के साथ-साथ जनता को भी इस विद्रोह ने जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1.5(One½)
(Q.Unit-1-B-7)

8. Write a short note on the integration of Sirohi in 'United Rajasthan'.
'एकीकृत राजस्थान' में सिरोही के विलय पर संक्षिप्त लेख लिखें।

राजस्थान में सिरोही का एकीकरण दो चरणों में हुआ। छठे चरण में सिरोही के आबू क्षेत्र को महाराष्ट्र में एवं शेष सिरोही राजस्थान में मिला दिया गया। लेकिन इस निर्णय के विरुद्ध गोकुलभाई भट्ट के नेतृत्व में आन्दोलन शुरू हो गया। इसलिये इस मामले को प्रधानमंत्री नेहरू ने राज्य पुनर्गठन आयोग को सौंप दिया। फिर एकीकरण के अंतिम अर्थात् 7वें चरण में 1 नवम्बर, 1956 को सम्पूर्ण सिरोही को राजस्थान में विलय कर दिया गया और राजस्थान का वर्तमान स्वरूप अस्तित्व में आया।

3.5(Three½)
(Q.Unit-1-B-8)

9. Critically examine the Begun Peasant Movement of Rajasthan.
राजस्थान के बेगूं किसान आन्दोलन का आलोचनात्मक परीक्षण करें।

बेगूं, मेवाड़ की एक ~~प्रधान~~ जागीर थी। यहाँ ~~किसानों~~ पर भूराजस्व की दरों के अधिक होने, बेगार प्रथा एवं किसानों के शोषण, अत्यधिक लाग-बाग से त्रस्त होकर किसानों ने 1921 में रामनारायण चौधरी के नेतृत्व में आन्दोलन

शुरू कर दिया। जागीर के सामंत अनूपसिंह एवं किसानों के मध्य समझौता हुआ, जिसमें लगान की दर कम करना, बेगार की समाप्ति आदि प्रावधान थे। किन्तु ~~मेवाड़~~ मेवाड़ महाराणा ने इसे अस्वीकार करते हुये बोल्शेविक समझौते की संज्ञा दी।
2 मार्च, 1923 को किसानों का एक सम्मेलन बेगूं में आयोजित हो रहा था, जिस पर मेवाड़ भील कोर के सैनिकों ने अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें रूपाजी धाकड़ व रूपाजी धाकड़ मारे गये। परन्तु बाद में समझौते के बाद किसानों की मांगों को मान लिया गया।

10. Discuss the ideological background of American War of Independence.
अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम के वैचारिक पृष्ठभूमि की विवेचना करें।

अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम आधुनिक विश्व इतिहास के महत्वपूर्ण घटना थी। इस संग्राम को प्रारम्भ करने में वैचारिक पृष्ठभूमि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सर्वप्रथम बेंजामिन फ्रेंकलिन ने अमेरिकन फिलॉसॉफिकल सोसायटी की स्थापना की। थॉमस पेन ने कॉमनसेंस नामक पुस्तक की रचना की। इसके पश्चात हावर्ड विश्वविद्यालय की स्थापना ने अमेरिकी स्वतंत्रता संग्राम को वैचारिक रूप से मजबूत किया। इसके साथ अमेरिकी नागरिकों की मातृ देश के प्रति सहानुभूति की कमी, ब्रिटिश सम्राट की जार्ज तृतीय की अदूरदर्शी नीतियों एवं कानूनों जैसे- कॉफी एक्ट, स्टाम्प एक्ट में नागरिकों को वैचारिक रूप से एकजुट होने के लिए विवश किया।

Part – C

भाग – स

Marks : 40

अंक : 40

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **100 - 100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं।

11. Examine the significance of Charan Literature in Classical Literature of Rajasthan.
राजस्थान के शास्त्रीय साहित्य में चारण साहित्य की महत्ता का परीक्षण करें।

राजस्थान के शास्त्रीय साहित्य में चारण साहित्य का महत्वपूर्ण स्थान है। पश्चिमी राजस्थान के चारणों द्वारा रचित साहित्य की भाषा को डिंगल कहा गया।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-1-C-11)

चारण साहित्य में वीरमदेव री वार्ता, कान्हड़दे प्रबन्ध, बेलि क्रिसन रुकमणी री, राजिया रा सोरठा, हमीर महाकाव्य, कुलगरी री वार्ता, बीकानेर के राठौड़ों री ख्यात आदि महत्वपूर्ण कृतियाँ है।

1(One)
(Q.Unit-1-C-11)

चारण साहित्य का महत्व- (1) इस साहित्य तत्कालीन समाज की सामाजिक व्यवस्था, रहन-सहन, खान-पान आदि की जानकारी प्राप्त होती है।

(2) चारण साहित्य से तत्कालीन राजनीति व्यवस्था की जानकारियाँ मिलती है, जिसमें शासकों के मध्य होने वाले युद्धों, शासकों की वंशावलियों का इतिहास आदि प्राप्त होता है।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-1-C-11)

(ख) इन साहित्य में प्रेम आख्यानों पर विशेष बल दिया गया है।
(ग) इन साहित्यों में शासकों, सामंतों द्वारा कराये गये जनकल्याण के कार्य यथा- झीलों, तालाबों, बावड़ियों का निर्माण, मन्दिरों एवं छतरियों का निर्माण आदि की जानकारी मिलती है। स्पष्ट है कि चारण साहित्य राजस्थान के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

12. Discuss in brief the growth of the ideology of Theosophists in the Theosophical society in India.
भारत में थियोसोफिकल सोसायटी की विचारधारा के विकास में थियोसोफिस्ट के विचारों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

थियोसोफिकल सोसायटी की स्थापना 1875 में न्यूयार्क (अमेरिका) में मैडम ब्लावात्स्की एवं कर्नल ऑल्काट ने की। 1882 में सोसायटी का कार्यालय मद्रास के अड्यार में खोला गया। भारत में थियोसोफिकल सोसायटी को लोकप्रिय बनाने एवं इसके विचारों को प्रसारित करने में एनी बेसेन्ट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

थियोसोफिकल सोसायटी की विचारधारा के विकास में थियोसोफिस्ट विचारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अन्तर्गत प्राचीन हिन्दू संस्कृति के अध्ययन पर बल दिया गया। इसमें प्राचीन बौद्ध, जैन धर्मों के विचारों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इस सोसायटी ने भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों यथा- सती प्रथा, बाल विवाह, कन्या वध, विधवा पुनर्विवाह का निषेध

0.5(Zero½)
(Q.Unit-1-C-11)
2(Two)
(Q.Unit-1-C-12)
1(One)
(Q.Unit-1-C-12)
0.5(Zero½)
(Q.Unit-1-C-12)
0.5(Zero½)
(Q.Unit-1-C-12)

0 (Zero)
(Q.Unit-1-C-12)

आदि के विरुद्ध वातावरण का विकास किया।
भारत में अप्रत्यक्ष रूप से इन विचारकों ने भारत के नागरिकों को तार्किक चिंतन करने, राजनीतिक रूप से जागृत करने एवं अपनी संस्कृति पर गर्व करने का विचार विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।
स्पष्ट है कि थियोसोफिकल विचारकों की विचारधारा के विकास में थियोसोफिस्ट के विचारों की महती भूमिका रही।

13. Discuss the development of 'Indigenous' industries in India during the Second World War.
द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत में 'देशी' उद्योगों के विकास की विवेचना करें।

द्वितीय विश्वयुद्ध ने सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित किया, जिससे भारत भी अछूता नहीं रहा। इस दौरान भारतीय उद्योगों के विकास में वृद्धि देखी गयी। क्योंकि भारत एक ब्रिटिश उपनिवेश था, इसलिये ब्रिटिश सरकार ने हथियारों की आपूर्ति, भारतीयों के समर्थन को प्राप्त करने के लिये देशी उद्योगों को प्रोत्साहन दिया।
इनमें सबसे महत्वपूर्ण था- लौह इस्पात उद्योग, इसके अन्तर्गत हथियारों का निर्माण, आधारभूत ढाँचे के विकास के लिये आवश्यक उपकरणों का निर्माण किया जाता था।
रासायनिक उर्वरकों एवं रसायनों के उद्योग का भी विकास हुआ क्योंकि इनका प्रयोग युद्ध में गोला-बारूद बनाने, सैनिकों के लिये दवाओं की आपूर्ति करने

आदि के लिये किया गया।

अपनी आवश्यकताओं एवं अपने औपनिवेशिक हितों को पूरा करने के लिये ब्रिटिशों ने देशी उद्योगों के विकास को प्रोत्साहन दिया, किन्तु 'द्वितीय विश्वयुद्ध' के दौरान युद्ध आधारित उद्योगों के विकास के कारण, परम्परागत उद्योग जैसे वस्त्र उद्योग नकारात्मक रूप से प्रभावित हुये एवं आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई, जिसका नकारात्मक प्रभाव भारत के लोगों पर हुआ।

14. "Industrial Revolution was not only a technological revolution, but a socio-economic revolution also, that changed the way people lived afterwards." Discuss.

"औद्योगिक क्रांति न केवल एक प्रौद्योगिकीय क्रांति थी, बल्कि एक सामाजिक–आर्थिक क्रांति भी थी, जिसने लोगों के उसके बाद रहने के ढंग को भी परिवर्तित कर दिया।" विवेचना करें।

औद्योगिक क्रांति अठारहवीं सदी के मध्य में सर्वप्रथम इंग्लैण्ड में घटित हुई। इसके अन्तर्गत उत्पादन में, वितरण आदि में मशीनों का उपयोग किया गया।

औद्योगिक क्रांति प्रौद्योगिक क्रांति थी क्योंकि इसी समय भाप के इंजन का आविष्कार हुआ। सर्वप्रथम उद्योगों में उत्पादन में व्यापक स्तर पर मशीनों का उपयोग किया गया। इस समय हुये प्रौद्योगिकीय प्रगति ने औद्योगिक क्रांति को प्रारम्भ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

आर्थिक प्रभाव के अन्तर्गत उत्पादन में वृद्धि हुई, जिससे व्यापार-वाणिज्य का विकास हुआ। औद्योगिक देशों ने उद्योगों के लिये कच्चे माल की प्राप्ति, तैयार माल के लिये बाजार एवं लाभ पूंजी के निवेश के लिये साम्राज्यवाद को बढ़ावा दिया।

2.5(Two½)
(Q.Unit-1-C-13)

औद्योगिक क्रांति के सामाजिक क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए। गांवों से लोग शहरों की ओर रोजगार की तलाश में पलायन किया, पुरुषों के साथ-साथ महिलाएँ एवं बच्चों ने भी उद्योगों में काम किया। औद्योगिक क्रांति ने लोगों के पहनावे, खान-पान एवं रहन-सहन के तरीके में व्यापक परिवर्तन किया क्योंकि इस काल में ग्रामीण संस्कृति एवं शहरी संस्कृति का मिश्रण हुआ, जिससे महिलाओं की 'स्थिति' में भी सुधार आया। स्पष्ट है कि औद्योगिक क्रांति का प्रभाव प्रौद्योगिकी, सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था पर पड़ा।

3(Three)
(Q.Unit-1-C-14)

Unit – II (65 Marks)
(यूनिट – II) (65 अंक)

Part – A **Marks : 10**
भाग – अ अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. What are the eight core industries that support infrastructure in India?
भारत में कौनसे आठ मूल उद्योग आधारभूत संरचना को सहयोग करते हैं?

(1) वस्त्र उद्योग (2) उर्वरक उद्योग (3) कांच एवं सिरेमिक उद्योग (4) सीमेंट उद्योग (5) लौह-इस्पात उद्योग (6) ऑटोमोबाइल उद्योग (7) सॉफ्टवेयर एवं हार्डवेयर उद्योग (8) पत्थर उद्योग - आदि आधारभूत संरचना को सहयोग करते हैं।

0.75(Zero¾)
(Q.Unit-2-A-1)

2. What are the main sources of biomass energy in Rajasthan?
राजस्थान में जैव ईंधन (बायोमास) ऊर्जा के मुख्य स्त्रोत क्या हैं?

बायोमास के प्रमुख स्त्रोत - कृषि के अपशिष्ट,

सरसों की रूढ़ी एवं जूलीफ्लोरा (बबूल) है।

- राजस्थान में वानोमान की सर्वाधिक सम्भावना श्रीगंगानगर में है।

3. Write major items of revenue expenditure in Indian Budget.
भारतीय बजट में राजस्व व्यय की मुख्य मदों को लिखिए।

→ ब्याज भुगतान

→ वेतन, भत्ते एवं पेंशन का भुगतान

→ कल्याणकारी योजनाओं का संचालन

→ सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी

4. Write the objective and name of funding agency of Rajasthan Agricultural Competitiveness Project.
राजस्थान कृषि प्रतिस्पर्द्धा परियोजना का उद्देश्य और इसको वित्त पोषित करने वाली संस्था का नाम लिखिए।

उद्देश्य - (1) कृषि के क्षेत्र में सिंचाई के साधनों का विकास करना।

(2) कृषि क्षेत्र को मानसून की अनिश्चितता से बचाते हुए ~~सुरक्षित~~ सुरक्षित करना एवं किसानों की आय को बढ़ाना।

वित्त पोषित करने वाली संस्था - 'विश्व बैंक' है।

5. Define sustainable development.
सतत् विकास को परिभाषित कीजिए।

सतत् विकास एक विकास की ऐसी संकल्पना है, जिसमें भविष्य की पीढ़ी की आवश्यकताओं को कम किये बिना

2(Two)
(Q.Unit-2-A-2)

0.75(Zero¾)
(Q.Unit-2-A-3)

1.5(One½)
(Q.Unit-2-A-4)

वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये संसाधनों का इष्टतम, अनुकूलतम प्रयोग करना है।
- सतत विकास को सर्वप्रथम 1983 में ब्रटलैण्ड कमीशन की रिपोर्ट 'आवर कॉमन फ्यूचर' में स्वीकार किया गया।

0.25(Zero¼)
(Q.Unit-2-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Define micro, small and medium enterprises on the basis of investment and annual turnover in India.
भारत में निवेश और वार्षिक बिक्री के आधार पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को परिभाषित कीजिए।

(1) सूक्ष्म उद्योग - ऐसे उद्योग है, जिनमें निवेश 25 लाख रुपये एवं जिनका टर्नओवर 5 करोड़ रुपये है, सूक्ष्म उद्योग है

(2) लघु उद्योग - ऐसे उद्योग जिनमें निवेश 25 लाख से 1 करोड़ रुपये और उनका टर्नओवर 5 करोड़ से 25 करोड़ रुपये है।

(3) मध्यम उद्योग - ऐसे उद्योग, जिनमें निवेश 1 करोड़ से 10 करोड़ और निवेश [illegible] 500 करोड़ रु है।

1(One)
(Q.Unit-2-B-6)

7. What are the objectives of 'SAMARTH' scheme of Rajasthan?
राजस्थान की 'समर्थ' योजना के क्या उद्देश्य हैं?

राजस्थान में अनुसूचित जाति, जनजाति, दिव्यांगजन, भिक्षावृत्ति में लिप्त व्यक्तियों का कौशल विकास कर उन्हें स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना एवं रोजगार में नियोजन करना है।
उद्देश्य - (1) उक्त व्यक्तियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना।

(2) इन्हें स्वरोजगार हेतु प्रेरित करना एवं रोजगार में नियोजित करना
(3) इन वर्गों के लोगों में उद्यमिता का विकास करना
(4) इन वर्गों को सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना।

3(Three)
(Q.Unit-2-B-7)

8. What incentives are provided under Pradhan Mantri Rojgar Protsahan Yojana (PMRPY) for employers to create new employment in the country?
देश में नवीन रोजगार सृजन के लिए प्रधान मंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना (पी.एम.आर.पी.वाई.) के अंतर्गत नियोक्ताओं को क्या प्रोत्साहन दिए गए हैं?

भारत में रोजगार के अवसरों का सृजन करने, उद्यमिता को प्रोत्साहन देने एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिये प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना लागू की गयी। इसके अन्तर्गत नियोक्ताओं को निम्नलिखित प्रोत्साहन दिये गये -

(1) उद्यम स्थापना में सत्यापन को आसान किया गया है एवं स्वप्रमाणन की व्यवस्था की गई है।
(2) नियोक्ताओं को करों में रियायत भी दी जा रही है
(3) विद्युत शुल्क, बिक्री कर, आदि में छूट दी जा रही है।

0 (Zero)
(Q.Unit-2-B-8)

9. Explain the main features of Rajasthan Investment Promotion Scheme 2019.
राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2019 की मुख्य विशेषताओं को समझाइए।

राजस्थान में निवेश को प्रोत्साहन देने एवं उद्योगों की स्थापना, रोजगार के अवसरों के विस्तार हेतु 2019 में राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना लागू की गई।
(1) इसमें सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र में उद्यम स्थापित करने वाले उद्यमी को 7 वर्षों तक SGST का 100% पुनर्भरण किया जायेगा।
(2) स्टाम्प शुल्क, बिजली शुल्क, करों में रियायतें दी जायेगी।

(३) इन नये उद्यमों को भूमि आधिग्रहण एवं पर्यावरण क्लीयरेंस के लिये एकल खिड़की सुविधा दी जायेगी।

2(Two)
(Q.Unit-2-B-9)

10. Write any five aims of World Bank Group Climate Change Action Plan 2021-2025.
विश्व बैंक समूह के जलवायु परिवर्तन पर कार्य योजना 2021-25 के किन्हीं पाँच लक्ष्यों को लिखिए।

विश्व बैंक समूह के 2021-25 के पांच लक्ष्य निम्न है –
(१) देशों में वनीकरण को बढ़ावा देना एवं वनों के विनाश को रोकना।
(२) जीवाश्म ईंधनों को हतोत्साहित करना एवं नवीनीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना।
(३) ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण जनता के लिये आजीविका के साधन उपलब्ध कराना।
(४) जलवायु परिवर्तन पर विकासशील एवं अल्पविकसित देशों को वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देना।
(५) जलवायु परिवर्तन पर अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।

1.5(One½)
(Q.Unit-2-B-10)

Part – C
भाग – स

Marks : 3
अंक : 3

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carri
10 marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **100 - 100** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारि
हैं।

11. What are the key measures pertaining to industry and infrastructure under Atmanirbhar Bhar
Abhiyan in India?
भारत में आत्म निर्भर भारत अभियान के अन्तर्गत उद्योग और आधारभूत संरचना से सम्बन्धित प्रमुख उपाय क
हैं?

भारत कोविड-19 से उपजी परिस्थितियों में लॉकडाउन लगाने से अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

इस दौर में उद्योग एवं आधारभूत संरचना के विकास के लिये घोषित किये गये आत्मनिर्भर भारत अभियान में निम्नलिखित उपाय किये गये -

(1) इन क्षेत्रों के विकास के लिये वित्तीय संसाधनों का आवंटन किया गया।

(2) इन क्षेत्रों में निवेश को बढ़ाने के लिये विभिन्न प्रकार की रियायतें प्रदान की गयी।

(3) इन क्षेत्रों को ऋण लेने के लिये ब्याज दरों में कमी की गयी।

(4) इन क्षेत्रों को कुछ समय बाद लॉकडाउन संबंधी पाबन्दियों से छूट दी गयी।

(5) इन क्षेत्रों के विकास के लिये अन्य क्षेत्रों के उपयोग के लिये संसाधनों के स्वतंत्र उपयोग को सुनिश्चित किया गया।

इस प्रकार इन उपायों ने उद्योग एवं आधारभूत संरचना के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया और भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर में वृद्धि हुई।

12. Describe Chief Minister's 7 Point Programme for Empowerment of Women in Rajasthan.
राजस्थान में महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री के सात सूत्री कार्यक्रम का वर्णन कीजिए।

राजस्थान सरकार ने महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये मुख्यमंत्री सात सूत्रीय कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित गतिविधियों पर जोर दिया जायेगा -

0.5(Zero½)
(Q.Unit-2-C-11)

(1) बालिकाओं के जन्म को लेकर समाज में सकारात्मक माहौल तैयार करना।

(2) किशोरियों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच को सुनिश्चित करना।

(3) किशोरियों, गर्भवती महिलाओं एवं अन्य महिलाओं के पोषण स्तर एवं स्वास्थ्य में सुधार लाना।

(4) महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये उनके लिये कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना।

(5) महिलाओं में स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता को बढ़ावा देना।

(6) महिलाओं द्वारा उद्यम स्थापित करने के लिए उन्हें वित्तीय, प्रबन्धकीय सहायता प्रदान करना।

(7) महिलाओं के आत्मसम्मान में वृद्धि करने के लिये ~~उन्हें~~ मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देना।

(8) किशोरियों एवं बालिकाओं के लिये सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित करने के लिये जागरूकता को बढ़ावा देना

स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री का 7 सूत्रीय कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा।

5.5(Five½)
(Q.Unit-2-C-12)

13. Write vision and key objectives of Rajasthan Solar Energy Policy 2019.
राजस्थान सौर ऊर्जा नीति 2019 की दृष्टि (विज़न) एवं प्रमुख उद्देश्यों को लिखिए।

राजस्थान में सौर ऊर्जा की व्यापक क्षमता का दोहन करने के लिये राजस्थान सौर ऊर्जा नीति-2019 को जारी किया गया है-

उद्देश्य -(1) राज्य में 2025 तक 30,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन करना।

(2) देश के सौर ऊर्जा मिशन में योगदान देना।

(3) सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन करना।

(4) जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को हतोत्साहित करने के लिये सौर ऊर्जा का अधिकतम विकास करना।

केन्द्रीय मंत्रालय के एक आकलन के अनुसार राजस्थान में 142 गीगावॉट सौर-ऊर्जा की संभावना है। सौर ऊर्जा नीति के प्रावधान -(1) सौर ऊर्जा का अधिकाधिक विकास करना।

(2) सौर ऊर्जा हेतु आवश्यक उपकरणों का निर्माण करना।

(3) सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश को अधिक से अधिक बढ़ाना।

(4) सौर ऊर्जा के विकास के लिये अनुसंधान एवं विकास (R&D) को बढ़ावा देना।

(5) निवेशकों को आने वाली समस्याओं के शीघ्र निपटान के लिये एकल खिड़की तंत्र सुविधा मुहैया कराना।

(6) सौर ऊर्जा के विकास से राज्य के नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर करना।

(7) सौर ऊर्जा चालित परिवहन, मोटर पम्पों, बंजर भूमि पर सौर प्लेटों को स्थापित करना आदि शामिल है।

स्पष्ट है कि सौर ऊर्जा नीति-2019 सौर ऊर्जा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी।

3(Three)
(Q.Unit-2-C-13)

(Unit – III) (Section – A)
(यूनिट – III) (सेक्शन – A)

(20 Marks)
(20 अंक)

Part – A
भाग – अ

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. What is 'Sharda Act'?
'शारदा एक्ट' क्या है?

डॉ हरविलास शारदा के प्रयासों से 1929 में अधिनियमित किया गया, जिसमें विवाह के लिये लड़की की उम्र 14 वर्ष एवं लड़के की उम्र 18 वर्ष निर्धारित की गयी।
इसका उद्देश्य - भारत में बाल विवाह की सामाजिक कुरीति को रोकना था।

1.75(One¾)
(Q.Unit-3-A-1)

2. Why is caste system an example of inequality?
जाति व्यवस्था असमानता का उदाहरण क्यों है?

जाति व्यवस्था में संस्तरण पाया जाता है, जिसके अन्तर्गत समाज का उच्च जातियों एवं निम्न जातियों में विभाजन होता है। उच्च जातियों एवं निम्न जातियों में आय असमानता, जीवन स्तर की असमानता, सम्पत्ति असमानता पायी जाती है, इसलिये जाति को असमानता का उदाहरण कहा जाता है

1.75(One¾)
(Q.Unit-3-A-2)

3. What is Global Village?
वैश्विक गाँव क्या है?

सामाजिक संदर्भ में देखिकर वैश्वीकरण की प्रक्रिया ने दूरस्थ एवं भिन्न भागों के लोगों में निर्भरता को बढ़ाया है। वैश्वीकरण द्वारा एक समान सामाजिक सांस्कृतिक वाले गाँव का निर्माण करता है, जिसे वैश्विक गाँव की संज्ञा दी जाती है।

0 (Zero)
(Q.Unit-3-A-3)

4. Define political corruption.
राजनीतिक भ्रष्टाचार को परिभाषित कीजिए।

राजनीतिक क्रियाकलापों में एवं राजनीतिक व्यक्ति का लाभ उठाकर किया गया भ्रष्टाचार ही राजनीतिक भ्रष्टाचार कहलाता है। जैसे- किसी राजनेता द्वारा किसी टेण्डर को पास कराने के लिये रिश्वत लेना, राजनीतिक भ्रष्टाचार है।

0.75(Zero¾)
(Q.Unit-3-A-4)

5. What is the eligibility of 'old age pension' in Rajasthan?
राजस्थान में 'वृद्धावस्था पेंशन' की पात्रता क्या है?

→ पुरुषों के लिये न्यूनतम 58 वर्ष आयु एवं महिलाओं के लिये न्यूनतम 55 वर्ष की आयु वृद्धावस्था पेंशन की पात्रता है।
→ साथ ही वृद्ध पुरुष या माता की संतान सरकारी सेवा में नियोजित नहीं होनी चाहिए।

1.5(One½)
(Q.Unit-3-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.
नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Which attributes have been given for dominant caste by M.N. Srinivas?
एम.एन. श्रीनिवास द्वारा प्रभुजाति को स्पष्ट करने हेतु कौनसे लक्षण बताए गए हैं?

एम.एन. श्रीनिवास ने अपनी पुस्तक "रिलीजन एण्ड सोसाइटी अमंग द कुर्ग्स ऑफ साउथ इण्डिया" (1952) में प्रभु जाति की अवधारणा दी। इनके अनुसार कोई जाति प्रभु जाती है। जिनमें निम्नलिखित विशेषताएँ हो -
(1) ~~आनुष्ठानिक~~ आनुष्ठानिक परिस्थिति- अर्थात उन्हें अनुष्ठान, यज्ञों, कर्मकाण्डों में भाग लेने का अधिकार हो।

(२) क्षेत्र विशेष संख्यात्मक अर्थात् जनसंख्यात्मक बाहुल्य हो।

(३) क्षेत्र विशेष में आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हो।

1.5(One½)
(Q.Unit-3-B-6)

7. Write five major problems of tribal community of Rajasthan.
राजस्थान की जनजातीय समुदाय की प्रमुख पाँच समस्याएं लिखिए।

(१) जनजातियों की भूमि का गैर-कानूनी तरीकों से गैर-आदिवासियों को हस्तांतरण।

(२) जनजातियों में अशिक्षा की स्थिति। 1991 के जनगणना के अनुसार केवल 30% जनजातीय लोग ही साक्षर है।

(३) जनजातीय क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के अभाव के कारण उन्हें महाजनों, सूदखोरों से उच्च ब्याज दर पर ऋण लेना पड़ता है, जो उनका शोषण करते है।

(४) जनजातियों क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं, परिवहन (सुविधाओं) का अभाव।

(५) अधिकांश आदिवासी भूमिहीन एवं छोटी जोत के धारक है, जिनमें बहुत कम उत्पादन होता है और वे ऋणग्रस्तता के जाल में फंसे रहते है।

2(Two)
(Q.Unit-3-B-7)

(Unit – III) (Section – B) **(20 Marks)**
(यूनिट – III) (सेक्शन – B) **(20 अंक)**

Part – A **Marks : 10**
भाग – अ **अंक : 10**

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. Define Supply Chain Management.
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन (एस.सी.एम.) को परिभाषित कीजिए।

आपूर्ति श्रृंखला प्रबन्धन विभिन्न एक श्रेणी प्रक्रिया है, जिसमें कच्चे माल से लेकर उत्पाद को उपभोक्ता पर पहुँचाने की सभी गतिविधियाँ शामिल होती है।

इसमें कच्चे माल की प्राप्ति, कच्चे माल का परिष्करण, उत्पादन, पैकेजिंग, भण्डारण एवं उत्पाद की आपूर्ति शामिल है।

1(One)
(Q.Unit-3-A-1)

2. What is the objective of Startup India Scheme?
स्टार्टअप इंडिया योजना का उद्देश्य क्या है?

शुरुआत – 2015, उद्यमिता एवं कौशल विकास मंत्रालय द्वारा
(1) देश में स्टार्टअप को बढ़ावा देना एवं सकारात्मक वातावरण बनाना।
(2) युवाओं में उद्यमशीलता एवं नवाचारों को बढ़ावा देना।
(3) स्टार्टअप के विकास के द्वारा स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ाना

1(One)
(Q.Unit-3-A-2)

3. Write any four characteristics of charismatic leader.
करिश्माई नेता की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

(1) वह अपने अनुयायियों के साथ बेहतर संबंध रखता है।
(2) करिश्माई नेता में कुछ विशिष्ट गुण होते हैं।
(3) करिश्माई नेता सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी का पालन करता है।
(4) करिश्माई नेता सदैव जनहित में ही कार्य करता है।
जैसे – महात्मा गाँधी एक करिश्माई नेता थे।

1(One)
(Q.Unit-3-A-3)

4. Highlight any four characteristics of services.
सेवाओं की कोई चार विशेषताओं को चिह्नांकित कीजिए।

(1) सेवाएँ अमूर्त एवं अदृश्य होती है।
(2) सेवाएँ उपभोक्ताओं की सन्तुष्टि सन्तुष्ट करती है।
(3) सेवाएँ के अन्तर्गत बैंकिंग, शिक्षा आदि शामिल होते हैं।
(4) सेवाएँ के संदर्भ में वैचारिक समानता होती है। जैसे-शिक्षा

0.5(Zero½)
(Q.Unit-3-A-4)

5. Name two prominent stock exchanges of India.
भारत के दो प्रमुख स्टॉक इक्सचेन्जों के नाम बताइए।

(1) बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE)
(2) नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE)

2(Two)
(Q.Unit-3-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Explain Need – Hierarchy Theory as per A.H. Maslow.
ए.एच. मास्लो के अनुसार आवश्यकता क्रमबद्धता सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

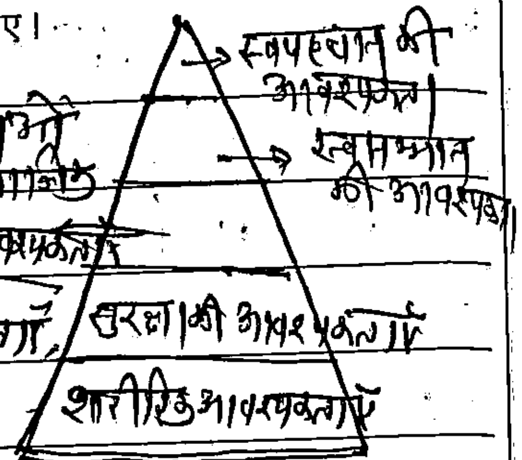

अब्राहम मेस्लो ने अभिप्रेरणा के ~~मानवीय~~ आवश्यकताओं को निरूपित किया। उनके अनुसार मनुष्य की पाँच प्रकार की आवश्यकताएँ होती हैं (1) शारीरिक आवश्यकताएँ (2) सुरक्षा की आवश्यकताएँ (3) सामाजिक आवश्यकताएँ (4) स्वसम्मान की आवश्यकताएँ (5) स्वपहचान की आवश्यकताएँ
इन सभी आवश्यकताओं में ~~सुनिश्चितता~~ पायी जाती है एवं यह एक पिरामिडनुमा संरचना में होती है। मेस्लो के अनुसार व्यक्ति पहले निम्न स्तर की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है तत्पश्चात् वह उच्च स्तर की आवश्यकताओं को पूरी करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार इन आवश्यकताओं में क्रमबद्धता पायी जाती है।

4(Four)
(Q.Unit-3-B-6)

7. Explain Product Life Cycle (PLC) with characteristics of any two stages.
किन्हीं दो चरणों की विशेषताओं के साथ उत्पाद जीवन चक्र (पी.एल.सी.) का वर्णन कीजिए।

उत्पाद जीवन चक्र एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें उत्पाद के कच्चे माल से लेकर उत्पाद के वितरण की गतिविधियाँ शामिल होते हैं। चरण -
(1) योजना चरण - इसमें उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुसार उत्पाद निर्माण की गतिविधियाँ सम्मिलित हैं
(2) फीडबैक चरण - इस चरण में उत्पाद के उपयोग के बाद उत्पाद की सकारात्मक एवं नकारात्मक विशेषताओं का फीडबैक उपभोक्ता से प्राप्त किया जाता है। इसके लिए उत्पाद जीवन चक्र - उत्पाद के निर्माण, परिवहन, भण्डारण एवं वितरण गतिविधियाँ शामिल होती है

0 (Zero)
(Q.Unit-3-B-7)

Paper-I

(Unit – III) (Section – C) (20 Marks)

(यूनिट – III) (सेक्शन – C) (20 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग – अ अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **15 - 15** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं।

1. What are compound journal entries?
   मिश्रित जर्नल प्रविष्टियाँ क्या हैं?

ऐसे जर्नल प्रविष्टियाँ, जिन्हें अभिलेखन के दौरान बनाया जाता है और। जिनमें लाभ-हानि खाता एवं बैलेंस शीट के मद आपस में मिले होते हैं, मिश्रित जर्नल प्रविष्टियाँ कहलाती है।

0 (Zero)
(Q.Unit-3-C-A-1)

2. Name any two methods of Trend analysis.
   प्रवृत्ति विश्लेषण की किन्हीं दो विधियों के नाम लिखिए।

प्रवृत्ति विश्लेषण- किसी भी आधार पर आधार वर्ष के आँकड़ों की तुलना चालू वर्ष के आँकड़ों से करते पर आँकड़ों में परिवर्तन से उत्पन्न वित्तीय स्थिति का पता लगाते हैं प्रवृत्ति विश्लेषण कहते हैं, और इसे प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।

1(One)
(Q.Unit-3-C-A-2)

3. Mention four types of responsibility centres with reference to Responsibility Accounting.
   उत्तरदायित्व लेखांकन के संदर्भ में चार उत्तरदायित्व केन्द्रों को बताइए।

(1) आगम केन्द्र
(2) लाभ केन्द्र
(3) लागत केन्द्र
(4) विनियोग केन्द्र

1.5(One½)
(Q.Unit-3-C-A-3)

4. What is the designation of person having highest authority in Government Audit?
सरकारी अंकेक्षण में सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति का पदनाम क्या है?

सरकारी अंकेक्षण में सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति का
पदनाम भारत का महालेखा परीक्षक एवं नियन्त्रक (CAG)
है।

1.5(One½)
(Q.Unit-3-C-A-4)

5. Why Zero Base Budgeting was adopted by Government of India?
भारत सरकार द्वारा शून्य आधार बजटन क्यों अपनाया गया था?

पूर्व में किये गये व्यवहारों को ~~आधार~~ शून्य मानते हुये, आगामी वर्षों
व्यवहारों के लिये बनाया गया बजट, शून्य बजट कहलाता है।
भारत सरकार ने सर्वप्रथम 1983 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के लिये
अपनाया क्योंकि यह बजट संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित
करता है। साथ ही खर्च करने वाले विभाग पर खर्च के औचित्य
को सिद्ध करने का उत्तरदायित्व सुनिश्चित करता है।

0.5(Zero½)
(Q.Unit-3-C-A-5)

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note: Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर **50 - 50** शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं।

6. Explain Dual-aspect concept in context of Double Entry System of Accounting with suitable examples.
उचित उदाहरण देते हुए लेखांकन की दोहरी प्रविष्टि प्रणाली के संदर्भ में द्वि–पक्ष अवधारणा को समझाइए।

इस प्रणाली का प्रतिपादन इटली के सांख्यिकविद् लुकास
पेसियोली ने 1498 में किया। लेखांकन की इस प्रणाली
में, प्रत्येक आर्थिक व्यवहार के कम से कम दो पक्ष पाये जाते

(नाम खाता एवं जमा खाता) प्रभावित होते है, इन खातों का सैद्धांतिक लेखा-जोखा ही दोहरा लेखा प्रणाली कहलाती है। इसके निर्माण के चरण: अभिलेखन, वर्गीकरण, संक्षिप्तीकरण एवं संचलन है। यह प्रणाली निश्चित नियमों एवं सिद्धांतो पर आधारित है। यह एक वैज्ञानिक पद्धति है, जो पूर्णरूप से विश्वसनीय एवं सार्वभौमिक प्रणाली है। इस प्रणाली में छल-कपट, गबन एवं अशुद्धि की त्रुटि की संभावना बहुत कम होती है।

1(One)
(Q.Unit-3-C-B-6)

7. "Performance Budgeting is useful for Government and Public sector undertakings." Why?
"निष्पादन बजटिंग सरकार व सार्वजनिक उपक्रमों के लिए उपयोगी है।" क्यों?

जब कार्य के परिणामों के आधार बजटिंग की प्रक्रिया निष्पादित की जाती है तो इसे निष्पादन बजट कहते है। इसका सर्वप्रथम क्रियान्वयन 1950 में अमेरिका में हूवर आयोग की सिफारिश पर किया गया था। यह बजटिंग सरकार एवं सार्वजनिक उपक्रमों के लिये उपयोगी है क्योंकि-

(1) यह संसाधनों के आवंटन के लिये परिणामों को प्राप्त करने पर बल देती है।

(2) यह सार्वजनिक उपक्रमों में प्रभावशीलता, कार्यकुशलता व मितव्ययता सुनिश्चित करती है।

(3) यह उपक्रमों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को सुनिश्चित करती है।

(4) यह निष्पादन अंकेक्षण को अधिक उद्देश्यपूर्ण एवं कारगर बनाती है।

(5) परिणामों को प्राप्त करने पर बल देने के कारण सार्वजनिक उपक्रमों के कार्य निष्पादन में सुधार आता है।

(6) यह अधिक उपयोगी कार्यों के लिये अधिकतम संसाधन उपलब्ध कराता है।

2(Two)
(Q.Unit-3-C-B-7)

SPACE FOR ROUGH WORK